



केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे. पी. दलाल शिष्याचार मुलाकात करते हुए।

## फार्स्ट न्यूज़

मणिपुर के मोरेह में सुरक्षाबालों पर आरपीजी अटैक

टीम एक्शन इंडिया/इफ़क़ाल मणिपुर में 12 घंटे के अंदर दूरी बार सुरक्षाबालों और दिव्यांगों के बीच मुठभेड़ हुई। इस दौरान सुरक्षाबालों पर आरपीजी से हमला किया गया, जिसमें मणिपुर पूर्वांश के 4 और बी-एस-एफ के एक जवान घायल हुआ है। उन्हें इलाज के लिए इफ़क़ाल भेजा गया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आज (2 जनवरी) की सुबह तीनोंपाल जिले के मोरेह शहर में सर्व ऑपरेशन चल रहा था। टीम ने दो लोगों को पकड़ा, इसी दौरान सुरक्षाबालों से विहार किया गया। स्थानीय महिलाओं ने भी पकड़ गए लोगों को छुड़ाने का प्रयास किया। सुरक्षाबालों ने भी क्रॉस फायरिंग की। ऑपरेशन जारी है।

एक साल के पहले दिन मणिपुर में हिंसा, 4 घंटे जानः मणिपुर में एक साल के पहले ही दिन (सोमवार) को एक बार फिर हिंसा हुई। यहाँ थौबल के लोंगोल पालहाड़ी इलाके में सोमवार शाम को 4 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 11 लोग घायल हुए। स्थानीय लोगों ने हमलावरों की तीन गाड़ियों को भी आग के हवाले कर दिया। अधिकारियों की हिंसा के फलस्वरूप जिम्मेदारी ने जिसके बाद विवाद शुरू हुआ। स्थानीय लोगों ने हमलावरों को खदेंगा, लेकिन बदलावों ने भागते समय फायरिंग कर दी। आरपीजों की फहारन अभी नहीं हो सकी है।

**19 राज्यों में कोहरा, 9 शहरों में जीरो विजिबिलिटी:**

भोपाल/बंडीगढ़/दिल्ली/टीम एक्शन इंडिया देश के 19 राज्यों में मंगलवार की सुबह घंटे कोहरे के साथ हुई। भोपाल, अंजमर, बीकानेर, लखनऊ, वाराणसी, बहराबुद्द, बरेली, पटियाला और देहली के जीरो विजिबिलिटी रिपोर्ट की गई। कोहरे का असर देंगों पर भी देखने को मिला। दिल्ली में 26 देंगे आपने निवारित समय पर नहीं चल पाई। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ इलाकों में सुबह तापमान 6 डिग्री तक पहुंच गया। कठुके मुताबिक, आज देश के उत्तरी राज्यों और उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में न्यूताप तापमान 6 डिग्री-9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहगा।

**माजपा ने असंतुष्ट नेताओं को साधने के लिए कमेटी बनाई**



टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली अयोध्या में राम लला भर्ती और आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर आज (2 जनवरी) को दिल्ली में भागी की बैठक हुई है। इसका अध्यक्षता पार्टी अयोध्या जेपी नड्डा ने की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पार्टी ने लोकसभा चुनाव को लेकर एक कमेटी का गठन किया है। इसका काम विभिन्न राजनीतिक दलों के असंतुष्ट नेताओं से संपर्क करना और उन्हें पार्टी में सुधार करना होगा। केंद्रीय मंत्री भूमेंद्र वादव, केंद्रीय मंत्री श्रीविजय वादव, अमन के मुख्यमंत्री हमेट विश्व शर्मा, महासचिव तरुण चूच, महासचिव सुनील बंसल और केंद्र स्वास्थ्य मंत्री मन्त्रिमंत्री मंडलिया संतान अन्य नेता बैठक में शामिल रहे। इसके अलावा 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला भर्ती की अवधि राम-प्रतिष्ठा पर चर्चा की।

**मिशन 2024**

8 दिल्ली में हुई मीटिंग में लोकसभा चुनाव और राम लला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर चर्चा की

को लेकर रोड मैप तैयार किया जा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राम लला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पार्टी एक कमेटी भी बना सकती है, जिसमें 1-2 सीएस और 3-4 केंद्रीय मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है।

50 लाख लोगों को अयोध्या दर्शन कराया जाएगा। ऐसे में लोगों की भी इस अधिकारी की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

**सीएम धामी ने किया 37 योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास**



लोकार्पण तथा 81 करोड़ की 26 योजनाओं का शिलान्यास सामिल है।

टीम एक्शन इंडिया/देवेलपमेंट कमिटी नेता सोनिया ने कहा है कि सत्ता में बैठे लोगों के लिए धर्मनियोक्ता अपने बात बन गई है। इसकी वजह से हमारे समाज का ध्वनीकरण बढ़ता जा रहा है। सोनिया ने कहा कि धर्मनियोक्ता भारत के लोकतंत्र की नींव की परेशानी है। सोनिया ने ये बातें मनोरमा इंवरबुक 2024 के लिए एक अटिकल में लिखी। उन्होंने कहा कि सत्ता में बैठे लोग कहते हो हैं कि वे लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं, लोकन वे इसे करें।

जापान के भूकंप में अब तक 48 लोगों की मौत हो चुकी है, वहाँ 140 आपरेशन की ओर किए गए हैं।

इनकी तीव्रता 3.4 से 4.6 के बीच रही है। इशिकावा में भूकंप से कई जगहों पर आग लग गई।

इसपर 200 इमारतें जलकर खाक हो चुकी हैं। 32,500 घरों में बिजली नहीं है। यहाँ एक और भूकंप की चतुरवारी जारी की गई है।

इमारतों की नीचे दबे 14 लोगः

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जो सोनिया ने जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के भूकंप में अब संघर्ष और अपराध जोनवे के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के भूकंप में अब संघर्ष और अपराध जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही है।

जापान के मीटिंग दाउड़ के लिए बैठे जोनवे की ओर से लेव कुश रथ यात्रा निकली जा रही











## संपादकीय

सीट बंटवारे के भंवर में  
फँसा इंडिया गठबंधन

विपक्षी गठबंधन इंडिया की चार बैटक हो चुकी हैं। बैते 19 दिसंबर को गठबंधन के नेता दिल्ली में मिले थे। इस बैटक में भाजपा को हरान और एक साथ चलने जैसी हवा हवाई बातों के अलावा कुछ ठोस नहीं निकला। सीट बंटवारे जैसे अहम मुद्दे पर कोई ठोस पहल या निर्णय इस बैटक में नहीं हुआ। अब जब लोकसभा चुनाव सिंप पर खड़े हैं और इंडिया गठबंधन अभी तक अपने संघेजक का चुनाव नहीं कर सका है। और न ही गठबंधन सीट बंटवारे का फामलू तय कर याहा है। ऐसे माहौल में विपक्षी एकत्र का भविष्य कहा होगा, इसका सहज अंदाज लगाया जा सकता है। इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे के फामलू पर फँसे पेच के बीच बिहार में राष्ट्रीय जनता दल और और जनता दल यूनाइटेड के बीच बढ़ी खटास ने गठबंधन की परस्परी बढ़ा दी है। महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश में क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ को महत्व हो रहे हैं। दुसरी ओर, हरियाणा, गुजरात में अम आदिया पार्टी ने सीट बंटवारे को लूलाजा दिया है। इस बीच खबर यह भी है कि सीट बंटवारे के लेनदेन इंडिया गठबंधन ने मियाद तय कर दी दी है। जिसके तहत जनवरी के दूसरे हफ्ते यारी 15 जनवरी तक सीटों का बंटवारा कर लिया जाएगा। कांग्रेस ने सहयोगियों के साथ सीटों के तालमेल के लिए 5 सदस्यों की एक कमेटी भी गठित की है। सीट बंटवारे में सबको नजर यूपी, महाराष्ट्र और बंगाल समेत 5 बड़े राज्यों पर है, जहां कांग्रेस का जनाधार काफी कमज़ोर है। कांग्रेस यहां जैसे विधानसभा में कमज़ोर है, जबकि लोकसभा में उसे बढ़त हासिल है। इंडिया गठबंधन के सीटों के मुताबिक सीटों बंटवारे के लिए शुरू में ही तीन फॉमलू नीतीश कुमार ने दिये था, लेकिन कई नेता इस पर सहमत नहीं थे। ऐसे में बड़े नेताओं को नए सिरे से भी सीट बंटवारे का फामलू इंजाज कराना चाहा गया। कई राज्यों में फॉमलू का बाबूल दिया जाना चाहा गया है। इंडिया गठबंधन ने का मुख्य लोकसभा चुनाव में 450 सीटों पर मंदी के नेतृत्व वाली को सीधी टक्कर देनी है। एनडीए खासकार उत्तर और मध्य भारत में कामजूल स्थिति में है ऐसे में सारे समीकरण इन्हीं राज्यों के लिए तैयार किया गया है। लोकसभा सीटों के तालिका से उत्तर प्रदेश में 80, महाराष्ट्र में 48, पश्चिम बंगाल में 42, बिहार में 40 और तमिलनाडु में 39 सीटों के साथ सबसे बड़ी राज्य है। इन राज्यों में जो समीकरण बन रहे हैं, उसमें फॉमलू मिलना बुशिकल लग रहा है। सबसे ज्यादा सीटों को लेने वाला राज्य उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और आरएलडी के साथ गठबंधन में है। सापा ने आजाद समाजवादी पार्टी और अपना दल (कमेरावादी) को भी साथ जोड़ा है। यानी गठबंधन में मुख्य 3 दल के अलावा 2 छोटे दल भी शामिल हैं। 80 सीटों वाली उत्तर प्रदेश में कांग्रेस लेने वाली उत्तर प्रदेश में 21 सीटें यहां जीती थीं। हालांकि, उस वक्त का सियासी समीकरण काफी अलग था। कांग्रेस अब भी 20 से ज्यादा सीटों पर दल ठोक रही है, लेकिन पुराने आंकड़े और समीकरण उसके पक्ष में नहीं हैं।



“प्रादेश चाहता है कि पहलवानों को न्याय मिले। लेकिन न्याय पाने के लिए जो पहलवान जो प्रपंच और प्रोपोर्डों कर रहे हैं, वो देवसायियों को अखरता है। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब पहलवानों ने धरना प्रदर्शन किया, उस समय भी उन्हें देष के सारे पहलवानों या आखाड़ों का समर्थन प्राप्त नहीं है। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम राज्य यह भी है कि जब जब पहलवानों ने खेल रख और अर्जुन अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला तथ्य है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने खेल रख और अर्जुन अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का एलान किया। बजरंग की तरह वो भी पीपम आवास के बाबूल अपना समान सड़क पर छोड़ आई। पहलवान न्याय पाने के संघर्ष की आड़ में राजनीति कर रहे हैं। वह खुला जाता है कि पहलवानों को कांग्रेस पार्टी का समर्थन है। खबरें तो वह भी हैं कि साक्षी, विनेश और बजरंग को आगमी लोकसभा में हारियाणा विधानसभा चुनाव में पार्टी का बाबूल दिया जाएगा। एक अहम प्रज्ञ यह भी है कि जब जब पहलवानों ने एप्से कई अवार्ड लौटाने का











